पोषण अभियान

[स्रोत: पी.आई.बी.](#)

चर्चा में क्यों?

पोषण अभियान का उद्देश्य **प्रौद्योगिकी, अंतर-क्षेत्रीय अभिसरण और सामुदायिक भागीदारी** के माध्यम से **पोषण संबंधी परिणामों** में सुधार करना है।

//

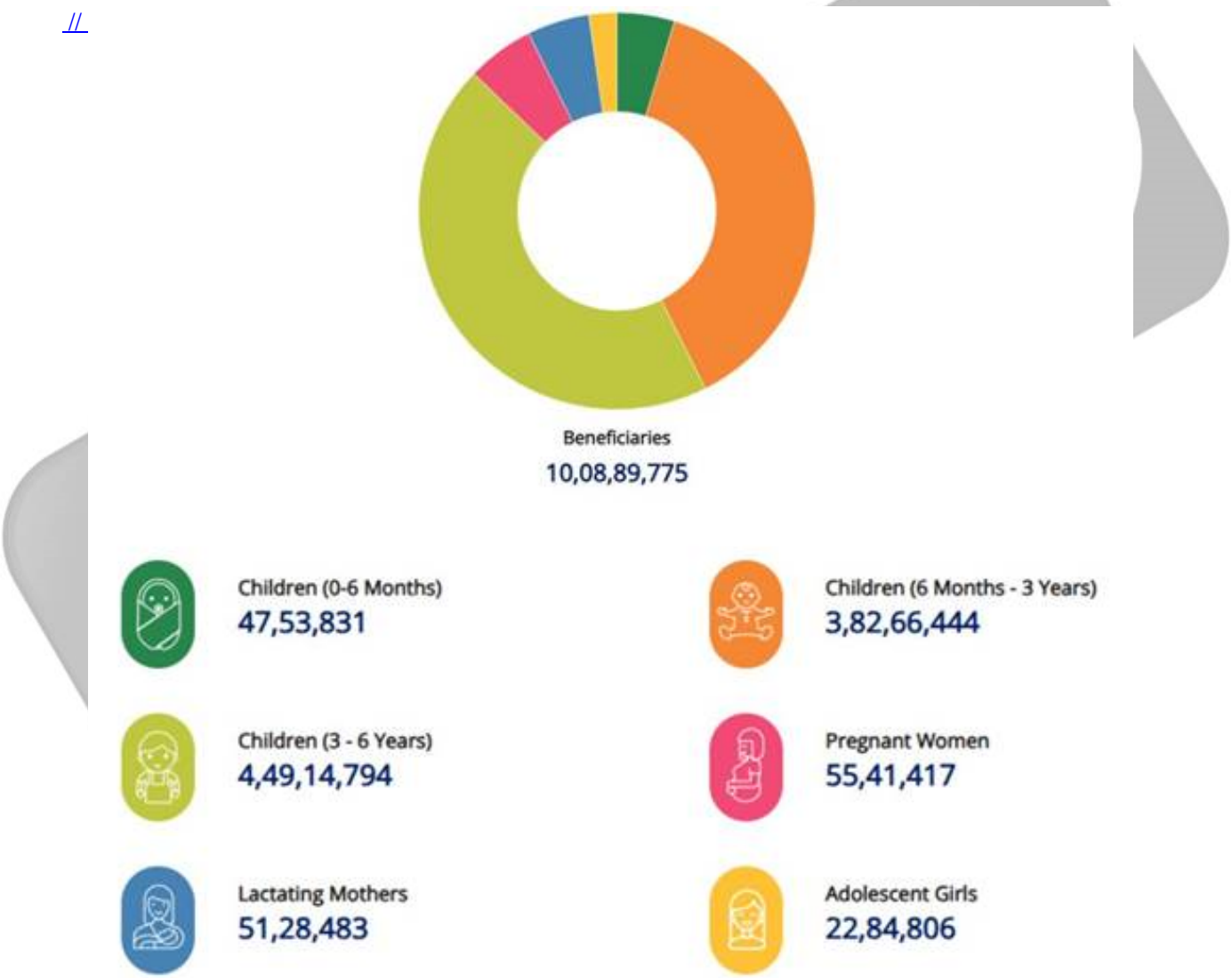

पोषण अभियान क्या है?

- **परिचय:** यह **महिला एवं बाल विकास मंत्रालय** की एक प्रमुख पहल है, जिसे **8 मार्च 2018** को राजस्थान के झुंझुनू में शुरू किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लक्षित एवं एकीकृत दृष्टिकोण के माध्यम से किशोरियों, गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं एवं बच्चों (0-6

वर्ष) **की पोषण संबंधी आवश्यकताओं** को पूरा करना है।

- **उद्देश्य:** इसका उद्देश्य **स्टंटिंग, कुपोषण, एनीमिया** (छोटे बच्चों, महिलाओं एवं किशोरियों में) को कम करना तथा**जन्म के समय कम वज़न वाले बच्चों की संख्या में कमी** लाना है।
- **रणनीतिक स्तंभ:** इसका क्रियान्वयन **चार रणनीतिक स्तंभों** पर आधारित है:
  - **गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ:** बालक के आरंभिक **1,000 दिनों** पर ध्यान केंद्रित करते हुए **ICDS, NHM** और **PMMVY** के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं का सुदृढ़ीकरण करना।

Critical and Effective Interventions

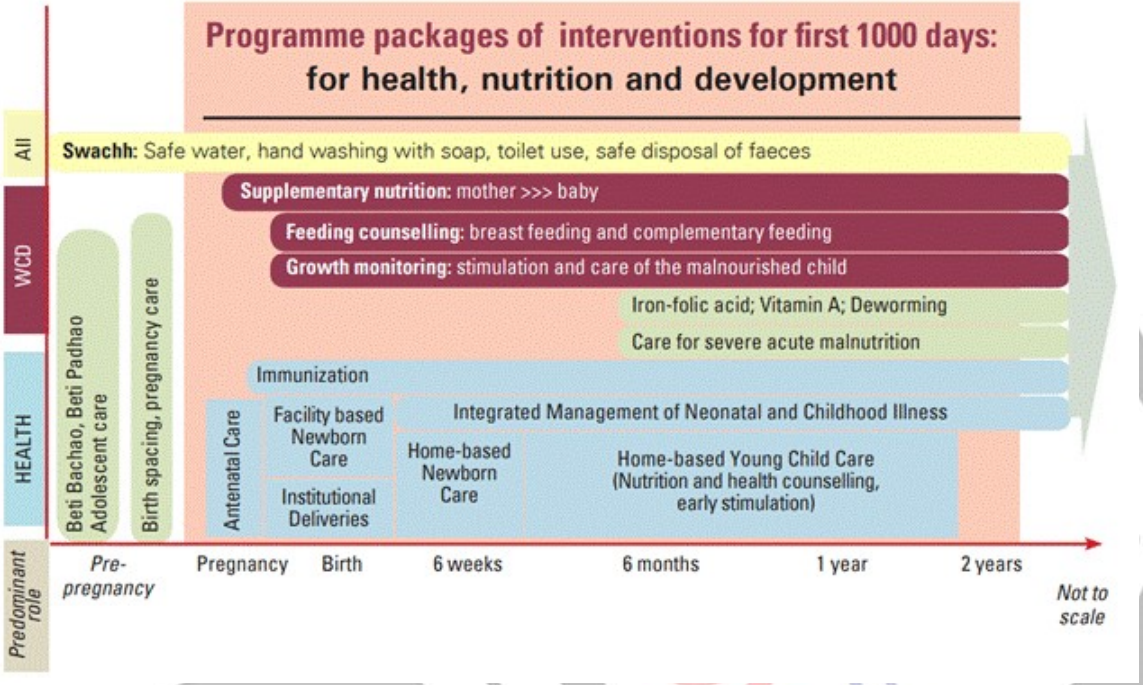

- **क्षेत्रों के बीच समन्वय: समग्र पोषण** के लिये **जल एवं स्वच्छता** जैसे मंत्रालयों के प्रयासों में समन्वय करना।
  - **नीति आयोग** के निर्देशन में **भारत की पोषण चुनौतियों पर राष्ट्रीय परिषद** नीति का मार्गदर्शन करती है तथा पोषण अभिसरण की तिमाही समीक्षा करती है।
- **प्रौद्योगिकी:** वास्तविक समय में आँकड़ों और निगरानी के लिये **पोषण ट्रैकर** का उपयोग करना है तथा आँगनवाड़ी सेवाओं के वितरण का सुदृढ़ीकरण के लिये **ICDS-कॉमन एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर** का उपयोग किया जाना।
- **जन आन्दोलन: समुदाय द्वारा संचालित पोषण जागरूकता** और व्यवहार परिवर्तन को बढ़ावा देना।
- **पोषण सुधार:** 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिये **NFHS-5 (2019-21)** के अनुसार।

सूचक	NFHS-4 (2015-16)	NFHS-5 (2019-21)
वेस्टिंग (लंबाई के अनुपात में कम वज़न)	21%	19.30%
कुपोषण (आयु के अनुसार कम वज़न)	35.70%	32.10%
वृद्धिरोध (आयु के अनुपात में कम लंबाई)	38.40%	35.50%

- **मिशन सक्षम आँगनवाड़ी और पोषण 2.0:** इसे **मिशन पोषण 2.0** के रूप में भी जाना जाता है, जो **आँगनवाड़ी केंद्रों (AWC) के लिये स्वास्थ्य, कल्याण और प्रतिरक्षा** और बुनियादी ढाँचे के उन्नयन को बढ़ावा देता है, जैसे कि समर्पित भवन, कार्यात्मक शौचालय, पेयजल की सुविधा।

ग्लोबल हंगर इंडेक्स 2024 के अनुसार भारत की पोषण स्थिति

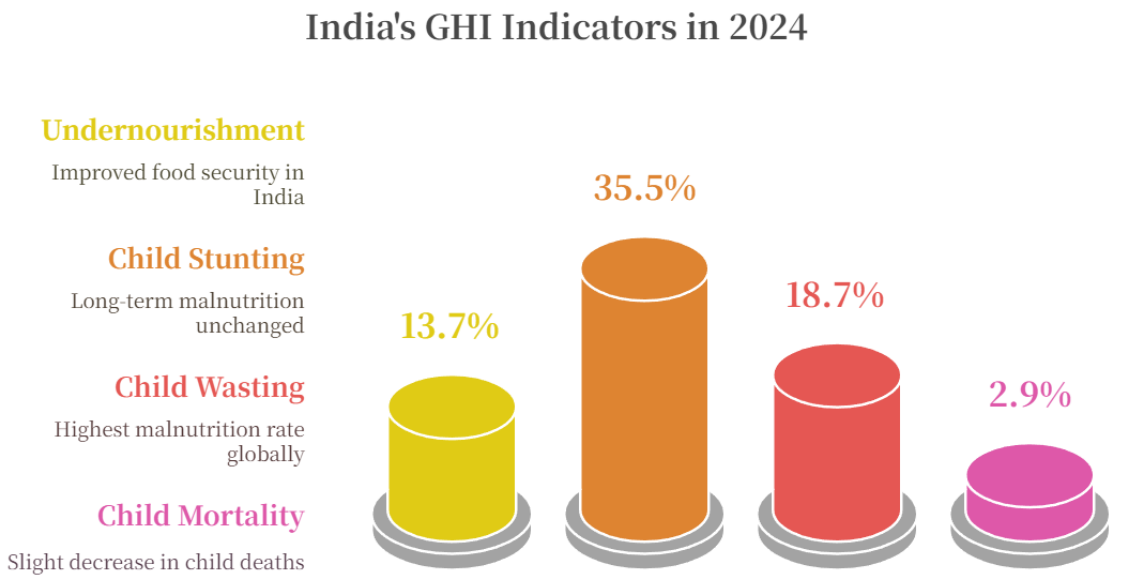

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न (PYQ)

??????????:

प्रश्न: निम्नलिखित में से कौन-से 'राष्ट्रीय पोषण मिशन' के उद्देश्य हैं? (2017)

1. गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं में कुपोषण के बारे में ज़ागरूकता पैदा करना।
2. छोटे बच्चों, किशोरियों और महिलाओं में एनीमिया के मामलों को कम करना।
3. बाजरा, मोटे अनाज और बिना पॉलिश किये चावल की खपत को बढ़ावा देना।
4. पोल्ट्री अंडे की खपत को बढ़ावा देना।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 1, 2 और 3
(c) केवल 1, 2 और 4
(d) केवल 3 और 4

उत्तर: A

प्रश्न. निम्नलिखित में से कौन-सा/से वह/वे सूचक है/हैं, जिसका/जिनका IFPRI द्वारा वैश्विक भुखमरी सूचकांक (ग्लोबल हंगर इंडेक्स) रिपोर्ट बनाने में उपयोग किया गया है? (2016)

1. अल्प-पोषण
2. शिशु वृद्धिरोधन
3. शिशु मृत्यु-दर

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1
(b) केवल 2 और 3
(c) 1, 2 और 3

(d) केवल 1 और 3

उत्तर: C

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/poshan-abhiyan-1